सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 180 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 5 अगस्त, 2022
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।

- हेलेन केलर

महंगाई-बेरोजगारी पर कांग्रेस का... 8 | उपराष्ट्रपति चुनाव: धनखड़ को समर्थन... 3 | लोक सभा चुनाव में 2014 का... 7

ठेकेदार जावेद को कुछ महीने में नियम ताक पर रखकर करोड़ों के 33 काम

जितिन जी यह रिश्ता क्या कहलाता है

» मंत्री जितिन प्रसाद का करीबी है ठेकेदार जावेद और चीफ इंजीनियर निसार

□□□ चेतन गुप्ता

लखनऊ। योगी सरकार पार्ट-2 में लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद का कार्यकाल नए-नए इतिहास रच रहा है। भ्रष्ट विभागों की बात करें तो उसमें पीडब्ल्यूडी यानी लोक निर्माण विभाग का नाम ऊपरी पायदान पर आता है। सत्ता का जब संरक्षण हो तो भ्रष्टाचार अपनी कई सीमाएं लांघ जाता है। ऐसा ही कुछ चल रहा है लोक निर्माण विभाग में, जहां चीफ इंजीनियरों ने अपने चहेते ठेकेदार को 13 महीने में करोड़ों रुपए के 33 काम दे दिए। स्थानीय स्तर से लेकर जब शासन-सत्ता तक शिकायत की गई तो मामला सुर्खियों में आया। जांच पड़ताल शुरू हुई लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात रहा।

लोक निर्माण विभाग बरेली जोन के टेंडरों में महाघोटाला सामने आया है। बरेली जोन में एक ठेकेदार हैं मोहम्मद जावेद खान, जिनकी फर्म का नाम है मैसर्स एएम बिल्डर्स। बरेली जोन में चाहे कोई भी काम हो सब पर खान का ही कब्जा होता है। 33 काम खान को 13 महीने में सेटिंग गेटिंग के जरिए मिले। इसमें एक काम लोक निर्माण विभाग पीलीभीत निर्माण खंड एक द्वारा नाले पर पुल निर्माण का है, जिसकी मौजूदा लागत 5 करोड़ 41 लाख है। जनवरी 2021 को इसका पहला आनलाइन टेंडर प्रहरी पोर्टल पर निकला। इस काम को लेकर कुल चार बार टेंडर पड़े। चौथी बार में टेंडर की बोली चार करोड़ 96 लाख मेसर्स सतीश चंद्र दीक्षित ने लगायी लेकिन टेंडर इस बार भी निरस्त हो गया। पांचवी बार में सिंगल टेंडर मो. जावेद खान के पक्ष में फाइनल हुआ। खेल यह हुआ कि दूसरे ठेकेदार सतीश चंद्र दीक्षित की जगह अपने चहेते ठेकेदार को टेंडर दिलाने के लिए अधिकारियों ने खूब हथकंडे अपनाए। अब ये हथकंडे उनके गले की फांस बनते दिख रहे हैं। नाले पर पुल निर्माण कार्य में पहली बार में तीन लोगों के टेंडर आए जिसमें जावेद और सतीश दीक्षित के अलावा जावेद की ही एक अन्य सहयोगी फर्म मैसर्स फारुख खान शामिल हुए। जावेद ने दीक्षित पर अपूर्ण अनुभव प्रमाण पत्र लगाने की शिकायत की। दीक्षित ने भी जावेद की फर्म पर कई आरोप लगाए और शिकायत दर्ज करायी। दीक्षित का कहना है कि पिछले सवा साल में तीन चीफ इंजीनियर देवेंद्र कुमार मिश्रा, देवेश कुमार तिवारी और एमएम निसार ने दीक्षित के आरोपों को खारिज कर दिया और जावेद की शिकायतों को ...

शेष पेज 8 पर

पीडब्ल्यूडी बरेली जोन में टेंडरों में हुआ महाघोटाला

बेबस नजरों से भ्रष्ट व्यवस्था का तमाशा देखते रहे जनप्रतिनिधि

अपनी ही सरकार में भ्रष्टाचार होता देख बेबस नजरों से जनप्रतिनिधि तमाशा देखते रहे। ऐसा भी नहीं है कि इन लोगों ने शासन सत्ता तक शिकायत न की हो। पीडब्ल्यूडी बरेली जोन में भ्रष्टाचार के मामले को उजागर करते हुए करीब आधा दर्जन विधायकों ने शिकायतें की लेकिन नतीजा सिफर रहा। जांच पड़ताल के नाम पर महज खानापूरी हुई और जांच फाइलों में दब गई। बदायूं से भाजपा विधायक महेश चंद गुप्ता, पीलीभीत से उस समय के विधायक रामशरण लाल वर्मा, बरेली से पूर्व विधायक राजेश मिश्रा, शाहजहांपुर से भाजपा के विधायक वीर विक्रम सिंह, बदायूं से विधायक आरके शर्मा ने शासन से लेकर मुख्यमंत्री तक शिकायत की। बरेली के पूर्व भाजपा विधायक राजेश मिश्रा ने मुख्यमंत्री से शिकायत की तो उस पर लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव द्वारा जांच बैठाई गई। इस जांच कमेटी में लखनऊ मुख्यालय से वित्त नियंत्रक राजेश सिंह और चीफ इंजीनियर प्रदीप जैन थे। 2 महीने जांच चली लेकिन हर बार स्थानीय पीडब्ल्यूडी अफसरों द्वारा जवाब के नाम पर दीक्षित को ही दोषी ठहराया गया और बताया गया कि दीक्षित द्वारा फर्जी शिकायत की जा रही है जिसकी वजह से सरकारी काम में बाधा पड़ रही है, राजस्व का नुकसान हो रहा है और समय की बर्बादी हो रही है। छह रिमाइंडर देने के बाद जांच समिति ने चीफ इंजीनियर बरेली को समस्त प्रपत्र समेत उपस्थित होने के लिए आदेशित किया, बावजूद इसके वह जांच कमेटी के सामने आज तक पेश नहीं हुए। मजबूरन जांच रिपोर्ट में लोकायुक्त की जांच का हवाला देकर उसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

हाईकोर्ट ने डिबार के आदेश को किया खारिज

सतीश चंद दीक्षित को पहली बार तीन महीने के लिए 27 अप्रैल 2021 को ब्लैक लिस्ट करने का नोटिस दिया गया। 30 अप्रैल को चीफ इंजीनियर के रूप में देवेश कुमार तिवारी आते हैं। 21 मई को 3 महीने के लिए दीक्षित को डिबार कर देते हैं। जब दीक्षित हाईकोर्ट जाने की धमकी देते हैं तो उन्हें बुलाकर 31 मई को उनका डिबार करने का आदेश रद्द कर दिया जाता है। इनके बाद जब चीफ इंजीनियर की कुर्सी पर एम एम निसार आते हैं तो वह दीक्षित को 26 नवंबर से एक साल के लिए डिबार कर देते हैं जिसके खिलाफ दीक्षित जुलाई 2022 में हाईकोर्ट जाते हैं। 28 जुलाई को हाईकोर्ट ने अपने आदेश में दीक्षित को एक साल के लिए डिबार करने के आदेश को खारिज कर किया और कहा कि अफसरों ने मनमाने ढंग से इस कार्रवाई को अंजाम दिया है। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी दीक्षित का डिबार बहाल नहीं किया गया। अफसरों को अब हाईकोर्ट की प्रमाणित कॉपी का इंतजार है।

“पीडब्ल्यूडी बरेली जोन में भ्रष्टाचार इस कदर व्याप्त है कि अफसरों की मेहरबानी पर 13 महीनों में जावेद को 33 काम दे दिए गए। दूसरा कोई ठेकेदार ठेका पा ही नहीं सकता, जिसका मैं जीता जागता सुबूत हूं।

सतीश चंद्र दीक्षित, ठेकेदार

“ए क्लास कांट्रेक्टर हूं यूपी समेत कई राज्यों में मेरी फर्म निर्माण कार्य कर रही है। सालाना करोड़ों का टर्नओवर है। काबिलियत के दम पर काम पाता हूं न कि संबंधों के आधार पर।

मो. जावेद खान, प्रोपराइटर मैसर्स एएम बिल्डर्स

“सारे आरोप निराधार हैं। टेंडर नियमों के तहत किए गए। मैसर्स ए एम बिल्डर्स ए ग्रेड की फर्म है, जो पुल बनाने में माहिर है। जावेद से किसी भी प्रकार का कोई भी व्यक्तिगत रिश्ता नहीं है।

एमएम निसार, चीफ इंजीनियर बरेली जोन, पीडब्ल्यूडी

अग्निपथ योजना को लेकर अखिलेश का वार, पूछा

सरकार बताए फौज में कितने लोगों को दी नौकरी

» पहली बारिश में बह गया बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे

» दुग्ध उत्पादों पर लगा दी पांच फीसदी जीएसटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर केंद्र व राज्य की भाजपा सरकार पर जमकर हमला किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे पहली ही बारिश में बह गया। मैं खुद इस एक्सप्रेस-वे पर पांच किलोमीटर चला। एक्सप्रेसवे एक ही बारिश में जगह-जगह धंस गई। टोल प्लाजा का डिजाइन भी गलत है और सरकार इससे चित्रकूट को भी जोड़ नहीं पाई।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में पहला टेबल टाप एयरपोर्ट बन रहा है, लेकिन बहुत कम लोगों को ही पता होगा कि इसकी शुरुआत मुलायम सिंह यादव ने की थी। अग्निपथ योजना को लेकर उन्होंने कहा कि आपको सरकार से सवाल करना चाहिए कि फौज में कितने लोगों को नौकरी दी। दुग्ध उत्पादों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने को लेकर तंज कसते हुए कहा, भोलेनाथ के भक्त जब दूध चढ़ाएंगे तो क्या उन पर जीएसटी नहीं लगेगा? हर घर तिरंगा अभियान पर कहा कि सपा नौ अगस्त से ही यह अभियान शुरू कर रही है। भाजपा पहले यह बताए कि नागपुर में आरएसएस कार्यालय में कब से तिरंगा नहीं फहराया गया?

इनको बनाया गया प्रभारी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के निर्देश पर ओपी यादव राष्ट्रीय सचिव, ब्रह्माशंकर त्रिपाठी पूर्व मंत्री तथा कनकलता सिंह पूर्व सांसद को सदस्यता अभियान के लिए जनपद देवरिया का प्रभारी नामित किया गया है। अलीगढ़ जिला/महानगर क्षेत्र में जमीरूल्लाह खान पूर्व विधायक, शाज इशहाक 'अज्जू' पूर्व प्रत्याशी कोल विधानसभा क्षेत्र, मोहम्मद उस्मान खान और एसपी यादव विधायक/पूर्व मंत्री को बहराइच, एटा व विधान सभा क्षेत्र मथुरा सदर में देवेन्द्र अग्रवाल तथा लोकमणिकान्त जादौन निवर्तमान जिलाध्यक्ष मथुरा को विधानसभा क्षेत्र छाता का सदस्यता अभियान का प्रभारी नामित किया गया है।

आजम खां का लिया हाल-चाल

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती पार्टी के वरिष्ठ नेता मो. आजम खां को देखने पहुंचे। सपा मुखिया ने उनकी सेहत का हाल-चाल लिया और डॉक्टरों से बातचीत भी की। उन्होंने कहा कि आजम खां की तबीयत अब ठीक है, जल्द ही वे स्वस्थ होकर हम लोगों के बीच होंगे। आजम खां की तबीयत बिगड़ने पर बुधवार रात उन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डाक्टरों का कहना है कि फेफड़ों के न्यूमोनिया की वजह से उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है।

फाइल फोटो

चुनाव आयोग ने अपना दल (एस) को दिया राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा

» पार्टी प्रमुख अनुप्रिया पटेल ने जताई खुशी

» यूपी की बनी तीसरी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। निर्वाचन आयोग ने अनुप्रिया पटेल के अपना दल-सोनेलाल को उत्तर प्रदेश के राज्य स्तरीय राजनीतिक दल के तौर पर मान्यता दे दी है। उत्तर प्रदेश में राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा हासिल करने वाला अपना दल-सोनेलाल तीसरा दल है। अभी तक समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल को प्रदेश में राज्य स्तरीय दल के तौर पर मान्यता प्राप्त थी।

अपना दल-एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने इस उपलब्धि को उन करोड़ों कार्यकर्ताओं, प्रशंसकों व शुभचिंतकों की मेहनत का प्रतिफल बताया है जिन्होंने पार्टी के विकास के लिए त्याग, संघर्ष व बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक उपलब्धि भगवान बुद्ध के आशीर्वाद, आरक्षण के जनक छत्रपति शाहूजी महाराज व महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रेरणा, संविधान निर्माता बाबा साहब डा.भीमराव आंबेडकर व अखंड भारत के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज के अंतिम पंक्ति पर खड़े व्यक्ति के समग्र विकास के लिए किए गए संघर्षों का सुखद परिणाम है। पार्टी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रदेश सरकार में प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल ने कहा कि पार्टी के संस्थापक डा.सोनेलाल पटेल के संघर्ष, और हमारी नेता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की मेहनत की वजह से यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। इस उपलब्धि के लिए उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं का अभार जताया है। गौरतलब है कि अपना दल (एस) के दो सांसद, विधान सभा में 12 सदस्य और एक विधान परिषद सदस्य हैं। अनुप्रिया पटेल स्वयं मीरजापुर और पकौड़ी लाल कोल राबर्ट्सगंज लोक सभा सीट से पार्टी के सांसद हैं। आशीष पटेल विधान परिषद सदस्य हैं जबकि अठारहवीं विधान सभा के चुनाव में पार्टी के 12 विधायक निर्वाचित हुए हैं।

अवैध टैक्सी स्टैंड संचालकों के खिलाफ चलेगा विशेष अभियान: अवनीश

» यातायात सुधारने को उठाए जा रहे कड़े कदम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरकार जल्द ही अवैध टैक्सी स्टैंड संचालकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाने जा रही है। इस मामले में शासन ने प्रदेश में अवैध रूप से संचालित टैक्सी स्टैंड की रिपोर्ट तलब की है।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि सभी जिलों के पुलिस कप्तानों से अवैध स्टैंड संचालकों के खिलाफ तीन दिनों का विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने पूर्व में अवैध स्टैंड संचालकों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान जिलों से अवैध टैक्सी स्टैंड संचालकों के खिलाफ की गई कार्रवाई की विस्तृत रिपोर्ट भी तलब की है। उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि माफिया के खिलाफ भी कार्रवाई जारी है। चार महीने में 868 करोड़ रुपये की अवैध संपत्तियां जब्त की गई हैं।

प्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए जिलों में भेजे जाएंगे अफसर

» 11 से 14 अगस्त के बीच ट्रांजिट टूर पर रहेंगे अधिकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने नगरीय निकायों में हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए नगर विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को 11 से 14 अगस्त के बीच तिरंगा ट्रांजिट टूर पर भेजने का निर्णय लिया है।

प्रमुख सचिव अमृत अभिजात तिरंगा ट्रांजिट टूर के तहत कन्नौज, फिरोजाबाद, आगरा, मथुरा तथा गौतमबुद्धनगर जाएंगे। यात्रा के दौरान अधिकारी जिलों में यातायात, साफ-सफाई, अतिक्रमण, जलनिकासी आदि का भी निरीक्षण करेंगे। 13 से 15 अगस्त तक यह अभियान चलाया जाएगा। इसी तरह 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा। वहीं सचिव नगर विकास अनिल कुमार बाराबंकी, अयोध्या, बस्ती, संतकबीरनगर, कुशीनगर एवं लखनऊ, विशेष सचिव नगर विकास सुनील कुमार चौधरी रायबरेली, प्रतापगढ़, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रयागराज, बांदा एवं चित्रकूट व दूसरे विशेष सचिव धर्मेंद्र प्रताप सिंह गाजियाबाद, बागपत, मेरठ एवं मुरादाबाद जाएंगे। विशेष सचिव डा. राजेन्द्र पैंसिया उन्नाव, कानपुर, कानपुर देहात, जालौन, झांसी, ललितपुर, औरैया एवं महोबा जाएंगे। इसी तरह अन्य जनपदों में भी वरिष्ठ अधिकारियों को भेजा जाएगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

लोगों के मुंह से निवाला छीन रही भाजपा सरकार: नसीमुद्दीन

» महंगाई-बेरोजगारी से जनता परेशान

» आवाज उठाने वालों पर की जा रही कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। कांग्रेस के मीडिया एवं कम्युनिकेशन डिपार्टमेंट के चेयरमैन नसीमुद्दीन सिद्दीकी ने कहा कि भाजपा सरकार लोगों के मुंह से निवाला छीन रही है। जो, लोग सरकार के खिलाफ आवाज उठाते हैं तो उनके खिलाफ ईडी और सीबीआई की जांच शुरू हो जाती हैं। इन्हीं के खिलाफ अब कांग्रेस भारत जोड़ो पदयात्रा निकालने जा रही है।

उन्होंने कहा कि आज पूरे देश में किसान, युवा, महिला समेत हर कोई परेशान हैं। युवा बेरोजगार हैं, महिलाओं पर अत्याचार हो रहा है। किसान भी दुखी हैं। जो लोग इन सरकारों के खिलाफ आवाज उठाते हैं तो सरकार ईडी व सीबीआई का दुरुपयोग कर जांच कराते हैं। सोनिया गांधी के बीमार होने के बाद भी उन्हें दफ्तर में बुलाकर घंटों पूछताछ की गई। दूध, दही जैसी चीजों पर भी जीएसटी लगा दिया। भारत जोड़ो पदयात्रा के दौरान पार्टी की नीतियों का बखान करते हुए भाजपा की सरकारों द्वारा किए जा रहे गलत कार्यों के बारे में भी लोगों को बताया जाएगा।

उपराष्ट्रपति चुनाव: धनखड़ को समर्थन देकर माया ने चला बड़ा दांव, वेस्ट में विपक्ष की बढ़ाई चुनौती

» पश्चिमी यूपी में जाट-दलित और मुस्लिम वोट बैंक को साधने की जुगत में हैं बसपा प्रमुख

» जाट और किसान उम्मीदवार को समर्थन देकर बिछायी सियासी बिसात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने उपराष्ट्रपति चुनाव में एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ को समर्थन देकर बड़ा सियासी दांव चल दिया है। इस फैसले के जरिये उन्होंने न केवल पश्चिमी यूपी में जाट-दलित और मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश की है बल्कि यहां सपा और रालोद के लिए भी चुनौती खड़ी दी है। जाट और किसान नेता को समर्थन कर वह किसानों को भी अपने पाले में करने की कवायद कर रही हैं।

बसपा प्रमुख द्वारा धनखड़ को समर्थन देने की घोषणा से एक बार फिर विपक्षी खेमे में हलचल मच गई है। सवाल उठ खड़ा हुआ है कि मायावती बार-बार विपक्षी एकता की चर्चाओं-दावों के बीच एनडीए के साथ क्यों खड़ी हो रही हैं? एनडीए उम्मीदवार को दोनों बड़े चुनावों में समर्थन देने की वजह जातीय समीकरण से ही जोड़कर देखी जा रही है। द्रौपदी मुर्मू आदिवासी समुदाय से हैं तो जगदीप धनखड़ जाट समुदाय से। मायावती खुद को हमेशा दलितों-कमजोरों का नेता करार देती रही हैं। ऐसे में धनखड़ को समर्थन कर उन्होंने पश्चिमी यूपी में जाट समुदाय को साधने का संदेश दिया है। वहीं उनकी नजर मुस्लिम वोटरों पर भी है। मुस्लिमों को लेकर वे लगातार भाजपा पर हमला करती रही है। दरअसल, मायावती चाहती है कि यदि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जाट-दलित और मुस्लिम गठजोड़ तैयार हो गया तो इसका फायदा पार्टी को मिलेगा और वे एक बार फिर उत्तर प्रदेश की सियासत में बड़ा गेम कर पाएंगी। दरअसल, मायावती ने दोनों चुनावों में एनडीए के प्रत्याशी का समर्थन कर साहसी सियासी निर्णय लेने का भी परिचय दिया है। मायावती हमेशा सपा, कांग्रेस और आप आदमी पार्टी के निशाने पर इस बात को लेकर रहती हैं कि वह भाजपा की 'बी' टीम हैं। इस फैसले के चलते वह एक बार फिर निशाने पर हैं लेकिन उन्होंने न केवल अपने काडर को ट्वीट के जरिये समर्थन करने का कारण स्पष्ट किया है बल्कि इसे व्यापक जनहित और बसपा के मूवमेंट से जोड़कर अपने तर्क दिए। भाजपा को घेरने के लिए जहां विपक्षी दलों को एकजुट करने का प्रयास किया जा रहा हो ऐसे में उनका एकला चलो का फार्मूला उनका साहसी सियासी निर्णय ही कहा जा सकता है।

रालोद को भी घेरने की कोशिश

मायावती यूपी में सपा का विरोध करती रही हैं। वह वर्ष 2019 के लोक सभा चुनाव में सपा से गठबंधन को अपनी भूल मानती हैं। वर्ष 2022 के विधान सभा चुनाव में भाजपा के सत्ता में दोबारा वापस आने की वजह भी सपा को मानती हैं। वे कहती रही हैं कि मुस्लिम मतदाता अगर सपा के बहकावे में न आते तो शायद तस्वीर भी कुछ और होती है। सियासी जानकारों का मानना है कि इसके जरिये मायावती आगामी लोक सभा चुनाव में सपा-रालोद के पश्चिमी यूपी में गठबंधन को भी कसौटी पर ले लिया है।

कभी था बसपा का गढ़

एक जमाने में पश्चिमी यूपी को बसपा का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। जाट, जाटव और मुस्लिम के सहारे बसपा बाजी मरती रही लेकिन पिछले कुछ चुनावों में इसमें सेंधमारी हुई है। दरअसल, मायावती इस खोए हुए जनाधार वापस पाने की कोशिश कर रही हैं।

लोक सभा चुनाव: मिशन मोड पर भाजपा, अब लोगों के घरों तक पहुंचेगी सीएम योगी की पाती

» स्वतंत्रता दिवस पर तीन करोड़ परिवारों तक पहुंचेगा मुख्यमंत्री का संदेश

» आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर राष्ट्रवाद को धार देने में जुटी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटी भाजपा की नजर अब लोक सभा चुनाव में टिक गयी है। संगठन और सरकार दोनों ने लोक सभा चुनाव फतह करने को कमर कस ली है। आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर भाजपा राष्ट्रवाद को धार देने में जुट गयी है। घर-घर तिरंगा फहराने के अभियान के साथ अब सीएम योगी की पाती भी घर-घर पहुंचाने की तैयारी है। इसके जरिए भाजपा जनता से सीधे संवाद करने की कोशिश कर रही है।

आजादी के 75 साल पूरे होने पर देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इसका जश्न मनाने के लिए सरकार की ओर से विविध आयोजन किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से आजादी के 75 साल पूरे होने पर तिरंगा यात्रा, हर घर तिरंगा जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं तो वहीं उत्तर प्रदेश सरकार भी सक्रिय हो गई है।

लगायी जाएगी प्रदर्शनी

सभी जिलों में इससे संबंधित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदेश के स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों में 11 से 17 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह मनाया जाएगा और इस कार्यक्रम में अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया जाए। अच्छा प्रदर्शन करने वाले जिलों को 17 अगस्त को लखनऊ में सम्मानित किया जाएगा।

हिंदी में होगा संदेश

जानकारी के मुताबिक सीएम योगी आदित्यनाथ का ये संदेश हिंदी भाषा में होगा। योगी की पाती पर सीएम योगी की तस्वीर छपी हुई है। इस पर पते के रूप में लोकभवन का पता है। पाती पर उपर की तरफ एक साइड में हर घर तिरंगा और दूसरी साइड में झंडा ऊंचा रहे हमारा छपा है। योगी की पाती पर आजादी का अमृत महोत्सव भी लिखा होगा।

चलाया जाएगा हर घर तिरंगा अभियान

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आयोजित किए जा रहे हर घर तिरंगा कार्यक्रम को लेकर शासन बेहद गंभीर है। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि इस कार्यक्रम की तैयारी समय से कर लें। उन्होंने कहा कि 13 से 15 अगस्त तक यह अभियान चलाया जाएगा। इससे आमजन को जोड़ना है। इसी तरह 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से स्वतंत्रता दिवस पर हर घर तिरंगा अभियान के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पत्र योगी की पाती तीन करोड़ घरों तक पहुंचाया जाएगा। इस पत्र में सीएम योगी स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने पर स्वतंत्रता के महत्व और आजादी का अमृत महोत्सव पर देश के दृष्टिकोण को रेखांकित करेंगे। इस अभियान के लिए यूपी सरकार ने कार्ययोजना भी तैयार कर ली है। आजादी का अमृत महोत्सव के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश भेजने की तैयारी है। यूपी सरकार के इस अभियान को योगी की पाती नाम दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संदेश योगी की पाती के जरिये तीन करोड़ परिवारों तक पहुंचाया जाना है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

फिर बढ़ने लगा महामारी का खतरा

मंकीपॉक्स के बीच कोरोना ने अपनी रफ्तार फिर तेज कर दी है। पिछले चौबीस घंटे में बीस हजार से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 70 लोगों की मौत हो गयी है। वहीं मंकीपॉक्स के अब तक नौ मरीज मिल चुके हैं। इसमें एक मरीज की मौत मंकीपॉक्स से हो चुकी है। इसने केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। सवाल यह है कि कोरोना वायरस फिर से क्यों बढ़ने लगा है?

मंकीपॉक्स के बीच कोरोना ने अपनी रफ्तार फिर तेज कर दी है। पिछले चौबीस घंटे में बीस हजार से अधिक लोग संक्रमित हुए हैं और 70 लोगों की मौत हो गयी है। वहीं मंकीपॉक्स के अब तक नौ मरीज मिल चुके हैं। इसमें एक मरीज की मौत मंकीपॉक्स से हो चुकी है। इसने केंद्र और राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। सवाल यह है कि कोरोना वायरस फिर से क्यों बढ़ने लगा है? क्या कोरोना प्रोटोकॉल के पालन में बरती जा रही लापरवाही के कारण हालात बिगड़ते जा रहे हैं? केंद्र सरकार की हिदायतों के बावजूद राज्य सरकारें प्रोटोकॉल का पालन करने में ढिलाई क्यों बरत रही हैं? क्या देश में एक और लहर की आहट सुनायी देने लगी है? क्या स्वास्थ्य सेवाएं दोनों बीमारियों से एक साथ निपटने में सक्षम हैं? क्या सरकारों को जल्द से जल्द इसके नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाने की जरूरत महसूस नहीं हो रही है? एक और लहर देश की अर्थव्यवस्था का बेड़ा गर्क नहीं कर देगी?

पिछले कुछ दिनों से कोरोना वायरस अपना दायरा बढ़ता जा रहा है। एक दिन में 20551 केस मिलने से केंद्र सरकार की चिंता बढ़ गई है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि इसके एक दिन पहले अकेले राजधानी दिल्ली में दो हजार केस दर्ज किए गए हैं। वहीं यहां केरल के बाद मंकीपॉक्स के मरीज भी मिले हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में केसों में उछाल आना शुरू हो गया है। इससे अब विशेषज्ञ भी एक नयी लहर की आशंका जताने लगे हैं। सच यह है कि इस हालात के लिए राज्य सरकारों की लापरवाही जिम्मेदार है। तमाम निर्देशों के बाद भी राज्य सरकारों ने कोरोना प्रोटोकॉल के पालन में पूरी ढिलाई बरती है। यही वजह है कि लोग सार्वजनिक स्थलों पर मॉस्क और सोशल डिस्टेंसिंग का प्रयोग नहीं कर रहे हैं। इसके अलावा लोग अभी भी बूस्टर डोज लगवाने से कतरा रहे हैं। इसके कारण संक्रमण तेजी से फैल रहा है। जहां तक मंकीपॉक्स का सवाल है, उसका संक्रमण भी बढ़ रहा है। हालांकि अभी तक केवल दो राज्यों में इसके मरीज मिले हैं लेकिन जिस प्रकार की लापरवाही बरती जा रही है उससे इसके अन्य राज्यों में फैलने की आशंका है। पूरी दुनिया में अब तक अस्सी देशों में यह वायरस फैल चुका है और बीस हजार से अधिक लोग इससे संक्रमित हो चुके है। जाहिर है, यदि यही रफ्तार रही तो देश को दो-दो बीमारियों से लड़ना होगा। यह देश की अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक साबित होगा। लिहाजा राज्य सरकारों को जल्द से जल्द कोरोना और मंकीपॉक्स के लिए जारी गाइडलाइन का पालन सुनिश्चित करना होगा वरना हालात बिगड़ते देर नहीं लगेगी।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

जलवायु परिवर्तन और अर्थव्यवस्था

हृदयेश जोशी

भारत में इस साल हमने जबरदस्त लू व गर्म हवाओं के बाद मॉनसून का मनमौजी बर्ताव देखा है। पहले 122 सालों में मार्च के रिकॉर्डतोड़ तापमान ने सबको हैरान किया और अब मौसम विभाग बता रहा है कि राजस्थान में जुलाई में सात दशकों की सबसे अधिक बरसात दर्ज हुई है जो औसत से 67 प्रतिशत अधिक है। इस बीच देश के कई हिस्सों में बरसात में देरी और उसकी कमी से किसानों की फसल नष्ट हुई है। तकरीबन हर साल की तरह असम में बाढ़ की मार ने तबाही जारी रखी। असम, मेघालय, मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश समेत पूरे उत्तर-पूर्व में बाढ़ से 200 से अधिक लोगों की जान गयी और अब असम में जापानी बुखार का प्रकोप है, जिससे 50 लोगों की जान चली गयी है।

मौसमी चक्र में उतार-चढ़ाव और प्राकृतिक आपदाओं की मार नयी बात नहीं है, लेकिन पिछले कुछ दशकों में बदलाव की रफ्तार और उसकी तीव्रता का ग्राफ तेजी से बढ़ा है। आंकड़े बताते हैं कि 1950 से 2017 के बीच भारत में बाढ़ की 285 घटनाएं हुईं, जिनसे 85 करोड़ लोग प्रभावित हुए और 71 हजार लोगों की मौत हो गयी। वहीं 2017 से 2020 के बीच बहुत अधिक बारिश या अतिवृष्टि की घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हो गयी है। आजादी के बाद से 2017 तक छह हजार करोड़ डॉलर यानी 4.80 लाख करोड़ के बराबर क्षति बाढ़ की इन घटनाओं से हुई। स्पष्ट है कि मौसम की अति तीव्रता (एक्सट्रीम वेदर) की ऐसी मार देश की अर्थव्यवस्था और जनहानि दोनों के लिए जिम्मेदार है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की रिपोर्ट कहती है कि बाढ़, चक्रवाती तूफान, लू और शीतलहर ने पिछले पांच दशकों में 1.5 लाख लोगों की जान ली है। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि ऐसी घटनाओं के कारण भारत को सालाना 8700 करोड़ डॉलर यानी करीब सात लाख करोड़ रुपये की क्षति हो रही है। इस क्षति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि अभी केंद्र सरकार का कुल बजट करीब 40 लाख करोड़ रुपये का है।

जहां एक ओर विश्व के मौसम विज्ञानी चेता रहे हैं कि बढ़ते तापमान के कारण भारत जैसे देशों पर जलवायु परिवर्तन की मार सबसे अधिक होगी, वहीं विश्व मौसम संगठन की चेतावनी सही साबित हुई तो अगले पांच साल में ही धरती की तापमान वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस का बैरियर पार कर जायेगी। इसका मतलब है कि सूखे, बाढ़ और शक्तिशाली चक्रवातों की संख्या और मारक क्षमता बढ़ेगी तथा हमारी कृषि, अर्थव्यवस्था, रोजगार और स्वास्थ्य पर

इसका नकारात्मक असर दिखेगा। संतोषजनक बात यह है कि भारत ने जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए एक सुदृढ़ रोडमैप तैयार किया है। केंद्र सरकार ने 2008 में ही एक नेशनल एक्शन प्लान बनाया था और फिर प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल कई घोषणाएं की, जिनमें 2030 तक 500 गीगावॉट क्षमता के स्वच्छ ऊर्जा संयंत्रों को लगाने का लक्ष्य शामिल है। केंद्र ने वादा किया है कि अगले 10 सालों में वह अपनी बिजली का 50 प्रतिशत हिस्सा स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों से हासिल करेगी लेकिन भारत के सामने जलवायु परिवर्तन और इसके कुप्रभावों से लड़ने की दोहरी चुनौती है। बढ़ते तापमान के कारण हमारे कामगारों के स्वास्थ्य और उत्पादकता में लगातार गिरावट हो रही है वहीं देश के कई राज्यों में रोजगार का ढांचा कोयले के खनन पर टिका हुआ है, जिसे तुरंत बंद नहीं किया जा सकता है। भारत के बिजली उत्पादन का 80 फीसदी कोयला बिजलीघरों पर टिका है और देश के 40 प्रतिशत जिलों में रोजगार किसी ने किसी रूप में कोयला खनन से जुड़ा है। झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश वे राज्य हैं, जहां से भारत का अधिकांश कोयला आता है। यही वे राज्य भी हैं, जहां सबसे अधिक गरीबी है और रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में यहां से लोगों का पलायन होता है। वहीं जलवायु परिवर्तन कभी खेती में अग्रणी रहे पंजाब को खोखला कर रहा है, बल्कि समृद्ध माने जाने वाले पश्चिमी तट पर बसे राज्यों में आपदाएं ला रहा है। देश के करीब 25 करोड़ लोग तटीय इलाकों में कृषि करते हैं या वहां पर उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर निर्भर हैं। चक्रवाती तूफानों की मार पश्चिम तट पर बढ़ रही है, जिससे वहां कृषि, उद्योग और पर्यटन पर असर पड़ेगा। सवाल है कि ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभावों से लड़ने के लिए कोयले का प्रयोग रोकना बहुत जरूरी है, लेकिन इस क्षेत्र में काम कर रहे कामगारों के लिए रोजगार के वैकल्पिक अवसरों को पैदा करना और उन जगहों को सुरक्षित करना है, जहां रोजगार हैं। ऐसे में समावेशी और टिकाऊ विकास का सिद्धांत अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, जिसमें उपभोग को बढ़ाने वाली पूंजीवादी सोच पर फिर से विचार की जरूरत है।

इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर सवाल

उमेश चतुर्वेदी

मीडिया भले ही तमाम रूपों में सूचनाओं और विचारों का प्रसार कर रहा है लेकिन मौजूदा दौर में वर्चस्व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया यानी टीवी चैनलों का ही है। आज इंटेलिजेंसिया हो या फिर लोकप्रियता, सबका पैमाना इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर उपस्थिति से तय होता है। इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों में मसाला पत्रकारिता अब चरम दौर में है। दिलचस्प है कि समाज का बौद्धिक और संजीदा वर्ग इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से दूरी बनाकर रखता है लेकिन, उस आम जनता का क्या करें, जो अब भी मीडिया साक्षरता से दूर है। वह वितंडावादी दृश्यों को ही हकीकत मान लेती है। शायद यही वजह है कि देश के सर्वोच्च न्यायाधीश तक को अब मीडिया पर टिप्पणी करनी पड़ रही है। न्यायमूर्ति एनवी रमन के संदेशों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के कर्ताधर्ताओं को अब समझना चाहिए।

आमतौर पर, न्यायपालिका किसी मुद्दे पर सार्वजनिक विचार व्यक्त करने से बचती है। जब वह खुलकर बोलने लगे तो समझना चाहिए कि वह उस मुद्दे को लेकर क्या सोच रही है। मीडिया को खुद अपने अंदर झांकने की कोशिश करनी चाहिए। शुरुआती दौर में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने रिपोर्टिंग पर ज्यादा ध्यान दिया लेकिन, बाद के दिनों में रिपोर्टिंग पर होनेवाले भारी-भरकम खर्च में कटौती करते हुए इलेक्ट्रॉनिक चैनलों ने बहसों की शुरुआत की। अन्ना के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के दौरान 2011 में इस चलन को गति मिली। एंकर की भूमिका ऐसे रिंग मास्टर में तब्दील होती चली गयी, जिसका काम स्टूडियो या स्क्रीन पर उपस्थित दो-चार राजनीतिक बिल्लियों को लड़ाना हो गया। राजनीतिक विषयों की चैनली बहसों और उसके संचालनकर्ताओं की कामयाबी, कुकुरझौंझ की लंबाई और हंगामे की बुनियाद पर तय होने लगी। आनंद की बात है कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के संपादकीय आका रहे लोग भी इसे अब गड़बड़ बताने से नहीं हिचक रहे जबकि, उनके हाथ में जब कमान थी तो टेलीविजन रेटिंग प्वॉइंट के बहाने टेलीविजन के स्क्रीन को गड़बड़ और भ्रष्ट बनाते वक्त अपनी सारी संपादकीय नैतिकता वे भूल गये थे।

रांची में देश के प्रधान न्यायाधीश का यह कहना कि टीवी पर होने वाली बहसें पक्षपाती, दुर्भावना से भरी और एजेंडा चलित हैं, यह मामूली बात नहीं है। उनका कहना है कि मीडिया पर पक्षपात से भरी बहसें लोगों, व्यवस्था और जनतंत्र को नुकसान पहुंचा रही हैं, जिससे न्याय व्यवस्था पर भी बुरा असर पड़ता है। समाज का संजीदा तबका तो पहले से ही मान रहा था कि चैनलों की बहसों में गहराई नहीं होती, संचालन कर्ताओं को विषयों की गहरी जानकारी कम ही होती है। न्यायमूर्ति रमन भी इसे स्वीकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि मीडिया में गलत जानकारी और एजेंडा पर आधारित बहसें, कंगारू अदालतों के समान हैं जो जनतंत्र को दो कदम पीछे ले जा रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक वर्चस्व के दौर में भी एक बात सर्व स्वीकार्य है- छापे यानी प्रिंट का माध्यम इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की तुलना में अब भी ज्यादा संजीदा और जवाबदेह है। चाहे समाचार हो या विचार, वह संतुलित रुख अख्तियार करने की कोशिश करता है। चूंकि, छापे के माध्यम का जन्म गुलाम भारत में हुआ और उसका विकास स्वाधीनता आंदोलन के साथ हुआ है। इस वजह से स्वाधीनता आंदोलन के दौरान हमारे लोकवृत्त ने जिन जीवन मूल्यों को आत्मसात किया, उससे छापे का माध्यम अछूता नहीं है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजे छापे के माध्यम में इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों की तुलना में संजीदगी कहीं ज्यादा नजर आती है।

यहां अतिवादी दृष्टिकोण अपवाद के तौर पर दिख सकता है। प्रिंट माध्यम ने घोषित-अघोषित तरीके से अपने दिशा-निर्देश तय कर रखे हैं। ये उसके कर्ताधर्ताओं के जीन में इस कदर रच-बस गया है कि उनका अवचेतन लगातार सक्रिय रहता है। इसे प्रधान न्यायाधीश भी रेखांकित करते हैं। व्याख्यान में उन्होंने कहा भी है कि प्रिंट मीडिया में अभी भी कुछ हद तक जवाबदेही बाकी है। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में कोई जवाबदेही नहीं है और सोशल मीडिया तो और भी बदतर है। सोशल मीडिया तो ज्यादा बेलगाम और अशिष्ट हो गया है। फेक न्यूज, भ्रामक जानकारी के साथ ही तोड़े-मरोड़े तथ्यों को प्रस्तुत करने में उसका कोई सानी भी नहीं है। सोशल मीडिया को नियंत्रित करने की मांग होती रही है। सोशल मीडिया पर लगाम की किंचित कोशिशें भी हो रही हैं, लेकिन पारंपरिक मीडिया के विस्तार के तौर पर स्थापित इलेक्ट्रॉनिक माध्यम पर रोक लगाने की सीधी कोशिश से बचा जाता रहा है। स्वनियमन और स्वनियंत्रण की अवधारणा के तहत इलेक्ट्रॉनिक माध्यम कथित रूप से खुद को संयमित और नियंत्रित करता रहा है लेकिन देश के प्रधान न्यायाधीश ने जिस तरह टिप्पणियां की हैं, उससे साफ है कि अगर इलेक्ट्रॉनिक माध्यम ने अपनी जिम्मेदारी को नहीं समझा, भूमिका को संयमित करने की कोशिश नहीं की तो देर-सवेर उस पर न्यायपालिका का चाबुक चल सकता है अगर न्यायपालिका का चाबुक चला तो फिर कार्यपालिका को खुली राह मिल जायेगी। पहले से ही माध्यमों की मुश्क कसने की फिराक में बैठी कार्यपालिका भी अपना करतब दिखाने से नहीं चूकेगी, इसलिए जरूरी है कि इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के कर्ता-धर्ता आसन्न खतरे को समझ लें और जिम्मेदार बनने की कोशिश करें, ताकि टीवी के पर्दे पर खीझ, झल्लाहट, चिखमचिल्ली की बजाय संयत बहसें दिखें, जिससे लोग कुछ सीख सकें, महज मनोरंजन न करें।

घंटों तक एक ही जगह बैठे रहना इन दिनों लोगों की मजबूरी हो गई है। इसकी वजह से न सिर्फ बॉडी पोश्चर पर बल्कि हेल्थ पर भी बुरा प्रभाव पड़ रहा है।

ज्यादा देर तक बैठे रहते हैं तो हो जाएं सतर्क

वर्क फ्रॉम होम और बढ़ते वर्क कल्चर की वजह से लोगों में एंजाइटी, तनाव और मेंटल हेल्थ पर गहरा प्रभाव पड़ा है। घंटों तक एक ही जगह बैठे रहना इन दिनों लोगों की मजबूरी हो गई है। इस मजबूरी की वजह से न सिर्फ बॉडी पोश्चर पर बल्कि हार्ट और हेल्थ पर भी बुरा प्रभाव देखा जा रहा है। जेएएमए ऑन्कोलॉजी की रिसर्च के अनुसार लंबे समय तक बैठे रहने वाले लोगों में हार्ट प्रॉब्लम और कैंसर का खतरा 80 प्रतिशत बढ़ जाता है। वहीं एक्टिव रहने वाले व्यक्ति अधिक स्वस्थ और एनर्जेटिक होते हैं। बैठे रहने से एक नहीं बल्कि कई हेल्थ समस्याओं को बढ़ावा मिलता है। चलिए जानते हैं अधिक देर तक बैठे रहने से किन हेल्थ इशूज का सामना करना पड़ सकता है।

उम्र कम होना

एक ही जगह देर तक बैठना व्यक्ति की उम्र पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। वेब एमडी के अनुसार यदि कोई व्यक्ति दिन का अधिकतर समय बैठे रहने में निकाल देता है तो उसकी उम्र कम हो सकती है। बैठे रहने से हार्ट प्रॉब्लम, कैंसर और मोटापे जैसी समस्याएं घेर सकती हैं। जो लोग एक्सरसाइज और वॉकिंग नहीं करते वह दूसरों की तुलना में कम जीते हैं।

हो सकता है डिमेंशिया

देर तक बैठे रहने की वजह से मानसिक समस्या जैसे डिमेंशिया होने का खतरा अधिक बढ़ जाता है। लगातार स्क्रीन देखना और सोचते रहने से मस्तिष्क पर प्रभाव पड़ता है जिस वजह से मानसिक विकार हो सकता है। जो व्यक्ति बैठे रहने के साथ एक्सरसाइज और वॉक करते हैं वह स्वस्थ रहते हैं।

डीवीटी की समस्या

डीप वेन थ्रॉम्बोसिस (डीवीटी) की समस्या पैरों में ब्लड क्लॉट होने की वजह से होती है। ज्यादा देर तक पैरों को लटकाकर बैठना या पैरों का कम मूवमेंट होना इस समस्या को बढ़ा सकता है। पैरों में सूजन और दर्द इसके सामान्य लक्षण हो सकते हैं। कई बार डीवीटी की समस्या इतनी बढ़ जाती है कि ये पैरों से लंग्स तक पहुंच जाती है। लंग्स में ब्लड क्लॉट्स हो जाते हैं।

हार्ट प्रॉब्लम्स

एक्टिव न रहना या एक ही जगह पर अधिक देर तक बैठे रहने की वजह से हार्ट प्रॉब्लम का खतरा अधिक बढ़ जाता है। बैठे रहने से बॉडी में ब्लड सर्कुलेशन कम होता है जो हार्ट प्रॉब्लम्स का कारण बनता है। यही वजह है कि कम उम्र में लोगों को कार्डियक अरेस्ट जैसी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। जो लोग खड़े रहकर या वॉक करते हुए काम करते हैं वह लोग अधिक हेल्दी रहते हैं।

मोटापा बढ़ना

मोटापा बढ़ने के कई कारण होते हैं जिसमें से अहम है बैठे रहना। बॉडी को अधिक देर तक रिलेक्स रखना या मूवमेंट न करना मोटापे का बढ़ावा देता है। मोबाइल, टीवी या लैपटॉप की स्क्रीन लोगों को बैठने पर मजबूर कर देती है इसलिए हर एक घंटे के बाद 10 मिनट वॉक जरूर करनी चाहिए। इससे बॉडी के साथ आंखों को भी आराम मिलता है।

हंसना मना है

चिंटू: मिंटू मैंने सुना है कि तुम्हारी सगाई हो गई है, बधाई हो तुम्हें मिंटू: हां पर मैंने सगाई तोड़ दी चिंटू: क्यों क्या हुआ मिंटू: सर मैंने उससे पूछा कि तुम्हारा पहले किसी के साथ चक्कर रहा है उसने साफ मना कर दिया। चिंटू: जे तो अच्छी बात थी ना। मिंटू: सर जो किसी और की नहीं हुई वो मेरी क्या होगी

दोस्त- तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला? पप्पू- तेरे ही कहने पर उसे चेन गिफ्ट किया था, इसलिए निकाला। दोस्त- चेन चांदी की थी क्या? पप्पू- नहीं साइकिल की।

चिंटू: दुखी होकर बैठा था पिंटू ने पूछा क्या हो गया इतना परेशान क्यों है चिंटू: यार मेरे बाल बहुत झड़ रहे हैं। पिंटू क्यों? चिंटू:चिंता से यार पिंटू: किस बात की चिंता है यार तुझे? चिंटू: बाल झड़ने की।

एक बहरा बाइक खींच के ले जा रहा था! दूसरा बहरा: क्या हुआ भाई, पेट्रोल खत्म हो गया क्या...? पहला बहरा: नहीं यार, पेट्रोल खत्म हो गया...! दूसरा बहरा: अच्छा... अच्छा, मैं समझा कि पेट्रोल खत्म हो गया...!

रोहन भागता हुआ पुलिस के पास आया और बोला मुझे जेल में डाल दो। पुलिस: लेकिन ये तो बताओ तुमने किया क्या है? रोहन: मैंने अपनी पत्नी के सिर में डंडा मार दिया है। पुलिस: तो क्या पत्नी मर गई। रोहन: यही तो चिंता की बात है, वो बच गई और अब मुझे ढूंढ रही है....

सोनू: यार मोनू मैंने अपना रिश्ता तोड़ दिया मोनू चौंकते हुए, क्यों सोनू : यार उसका कभी कोई बॉयफ्रेंड नहीं था। मोनू: ये तो अच्छी बात है न। सोनू: एक बात सोच जो अभी तक किसी एक की नहीं हो पाई, वो मेरी क्या होगी... मोनू बेहोश...

कहानी | घर का भेद

एक नगर में देवशक्ति नाम का राजा रहता था । उसके पुत्र के पेट में एक सांप चला गया था। उस सांप ने वहीं अपना बिल बना लिया था। पेट में बैठे सांप के कारण उसके शरीर का प्रति-दिन क्षय होता जा रहा था। बहुत उपचार करने के बाद भी जब स्वास्थ्य में कोई सुधार न हुआ तो अत्यन्त निराश होकर राजपुत्र अपने राज्य से बहुत दूर दूसरे प्रदेश में चला गया और वहां सामान्य भिखारी की तरह मन्दिर में रहने लगा। उस प्रदेश के राजा बलि की दो नौजवान लड़कियां थीं। वह दोनों प्रति-दिन सुबह अपने पिता को प्रणाम करने आती थीं। उनमें से एक राजा को नमस्कार करती हुई कहती थी महाराज! जय हो । आप की कृपा से ही संसार के सब सुख हैं। दूसरी कहती थी-महाराज! ईश्वर आप के कर्मों का फल दे। दूसरी के वचन को सुनकर महाराज क्रोधित हो जाता था । एक दिन इसी क्रोधावेश में उसने मन्त्री को बुलाकर आज्ञा दी-मन्त्री ! इस कटु बोलने वाली लड़की को किसी गरीब परदेसी के हाथों में दे दो, जिससे यह अपने कर्मों का फल स्वयं चखे। मन्त्रियों ने राजाज्ञा से उस लड़की का विवाह मन्दिर में सामान्य भिखारी की तरह ठहरे परदेसी राजपुत्र के साथ कर दिया । राजकुमारी ने उसे ही अपना पति मानकर सेवा की। दोनों ने उस देश को छोड़ दिया। थोड़ी दूर जाने पर वे एक तालाब के किनारे ठहरे। वहां राजपुत्र को छोड़कर उसकी पत्नी पास के गांव से घी-तेल-अन्न आदि सौदा लेने गई। सौदा लेकर जब वह वापस आ रही थी , तब उसने देखा कि उसका पति तालाब से कुछ दूरी पर एक सांप के बिल के पास सो रहा है । उसके मुख से एक फनियल सांप बाहर निकलकर हवा खा रहा था । एक दूसरा सांप भी अपने बिल से निकल कर फन फैलाये वहीं बैठा था। दोनों में बातचीत हो रही थी। बिल वाला सांप पेट वाले सांप से कह रहा था-दुष्ट ! तू इतने सर्वांग सुन्दर राजकुमार का जीवन क्यों नष्ट कर रहा है ? पेट वाला सांप बोला-तू भी तो इस बिल में पड़े स्वर्णकलश को दूषित कर रहा है। बिल वाला सांप बोला-तो क्या तू समझता है कि तुझे पेट से निकालने की दवा किसी को भी मालूम नहीं। कोई भी व्यक्ति राजकुमार को उकाली हुई कांजी की राई पिलाकर तुझे मार सकता है। पेट वाला सांप बोला, तुझे भी तो गर्म तेल डालकर कोई भी मार सकता है । इस तरह दोनों ने एक दूसरे का भेद खोल दिया। राजकन्या ने दोनों की बातें सुन ली थीं । उसने उनकी बताई विधियों से ही दोनों का नाश कर दिया। उसका पति भी नीरोग हो गया और बिल में से स्वर्ण-भरा कलश पाकर गरीबी भी दूर हो गई । तब, दोनों अपने देश को चल दिये। राजपुत्र के माता-पिता दोनों ने उनका स्वागत किया ।

5 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आज का दिन आपके लिए मिश्रित प्रभाव दायक है। इस समय आप जो भी बोलें बहुत सोच-समझ कर बोलें। कार्यस्थल पर जल्दबाजी में निर्णय लेने से बचें।

वृषभ
आज का दिन शानदार रहने वाला है। जो लोग जॉब कर रहे हैं, आज उन्हें अपने किसी काम के लिये इन्क्रीमेंट मिल सकता है। वहीं जो लोग जॉब की तलाश में हैं, उनकी तलाश आज पूरी हो सकती है।

मिथुन
आज आपकी कार्य करने की क्षमता बढ़ेगी और बेहतर परिणाम सामने आयेंगे। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है

कर्क
यह अवधि मिश्रित प्रभाव प्रदान करती है। आपके पास नए अवसर होंगे और उनका उपयोग करके लाभ प्राप्त करेंगे। आज व्यवसायिक एव आर्थिक लाभ संभव है।

सिंह
आज बिजनेसमैन काम के सिलसिले में किसी दूसरे शहर की यात्रा कर सकते हैं। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। आपको पेट से जुड़ी कोई समस्या हो सकती है।

कन्या
आज का दिन बहुत आसानी से बीतेगा। कोई चिंता न रखें। सहकर्मियों का सहयोग मिलने से निविघ्न कार्य संपन्न होंगे, व्यक्तिगत जान पहचान से लाभ होगा। नकारात्मक विचार मन को घेर सकते है।

तुला
आज आपको बहुत सारे लाभ मिल सकते हैं। किन्तु यदि आप आर्थिक लाभ हेतु, आसान तरीकों की तलाश करते हैं तो आप केवल बुरे परिवर्तनों को आमंत्रित कर रहें हैं। व्यापारिक गतिविधियों से आपको अच्छा लाभ हो सकता है।

वृश्चिक
आज आप जीवन में किसी तरह के बदलाव को लेकर सोच-विचार कर सकते हैं। साथ काम करने वाले लोगों से भी इस बारे में बात करेंगे। आज सब लोग आपके लिये बहुत मददगार रहेंगे।

धनु
आज आपकी छोटी सी गलती से हाथ में आए हुए अवसर निकल सकते हैं। अच्छे परिणाम हासिल करने के लिए आज आपको योजनाबद्ध तरीके से काम करने की आवश्यकता है।

मकर
नौकरीपेशा जातको को थोड़ा सयम से व्यय करने की सलाह दी जाती है। कुछ जातकों द्वारा एक नया वाहन खरीदा जा सकता है। आज अपने परिवार के साथ अधिक समय बिताना शुभ रहेगा।

कुम्भ
आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। आपका व्यक्तित्व खुशबू की तरह चारों तरफ महकेगा। आपको कोई बड़ी प्रसिद्धि मिल सकती है। परिवार में किसी जरूरी काम के पूरा हो जाने से मन प्रसन्न रहेगा।

मीन
आज आपको कारोबार में लाभ मिलेगा। आपका विचार किसी एक बात पर स्थिर नहीं रहेगा तथा उसमें लगातार परिवर्तन होता रहेगा। स्वभाव में उदासीनता छाई रहेगी।

इंग्लैंड में क्रिकेट की ट्रेनिंग लेंगी अनुष्का

अनुष्का शर्मा अपने एयरपोर्ट वीडियो को लेकर चर्चा में रहीं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो को देख बहुत से यूजर्स को ऐसा लगा कि विराट कोहली एयरपोर्ट पर अनुष्का को डांट रहे हैं। खैर, अब खबर यह है कि अनुष्का जल्द ही इंग्लैंड जाने वाली हैं। वह वहां अपनी फिल्म चकदा एक्सप्रेस के लिए क्रिकेट की हार्ड कोर ट्रेनिंग लेंगी। चकदा एक्सप्रेस में वह महिला क्रिकेट की महान तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी का किरदार निभाने जा रही हैं। यह फिल्म झूलन की जिंदगी और उनके करियर से इंस्पायर्ड है। बताया जाता है कि फिल्म के कुछ इंटेंसिव पोर्शन की शूटिंग से पहले अनुष्का खुद को पूरी तरह से तैयार करना चाहती हैं और इसके लिए वह क्रिकेट की ट्रेनिंग लेने के लिए यूके जा रही हैं।

चकदा एक्सप्रेस

बॉलीवुड | मसाला

फिल्म से जुड़े एक सूत्र के मुताबिक, पर्दे पर झूलन गोस्वामी बनने में अनुष्का कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। वह अपनी बॉडी को तैयार करेंगी, फिल्म में क्रिकेट के पोर्शन की शूटिंग शुरू करने से पहले अनुष्का शर्मा अगस्त के बीच से सितंबर तक लीड्स में अपने क्रिकेट स्किल्स को परफेक्ट बनाएंगी। वह हमेशा से अपने किरदारों को लेकर प्रतिबद्ध रही हैं। ऐसे में वह क्रिकेट की ट्रेनिंग और एक्सरसाइज के जरिए वह खुद को रोल के लिए परफेक्ट बनाना चाहती हैं। Chakda E&press से अनुष्का शर्मा तीन साल बाद फिल्मों में वापसी कर रही हैं। कोरोना महामारी और बेटी वामिका के जन्म के बाद वह मैटरनिटी ब्रेक पर थीं लेकिन अब वह नेटफ्लिक्स की फिल्म चकदा एक्सप्रेस पर पूरी तरह फोकस कर रही हैं। विश्व क्रिकेट के इतिहास में सबसे तेज महिला तेज गेंदबाजों में शुमार झूलन गोस्वामी की शानदार जर्नी को बयान करने में वह कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती हैं।

झूलन गोस्वामी ने भारतीय महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की कप्तानी की है। वह देश में क्रिकेटर बनने वाली लड़कियों के लिए वह एक रोल मॉडल हैं। साल 2018 में झूलन को सम्मानित करते हुए भारत सरकार ने डाक टिकट जारी किया था। अंतरराष्ट्रीय करियर में किसी महिला द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने का विश्व रिकॉर्ड भी झूलन गोस्वामी के ही नाम है।

बॉलीवुड | मन की बात

मुझे कभी फिल्म रामायण से ऑफर ही नहीं आया: करीना

करीना कपूर खान बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं। उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। बता दें कि उनको लेकर कुछ समय पहले ऐसी खबर आई थी कि फिल्म रामायण में सीता का किरदार उन्हें ऑफर हुआ बै। इतना ही नहीं कहा यह भी जा रहा था कि इस फिल्म के लिए करीना ने 12 करोड़ रुपये की डिमांड की थी। हालांकि तब करीना ने इस मामले पर ज्यादा कुछ नहीं कहा था, लेकिन अब करीना ने इस पर अपनी बात रखी है। हालांकि जब यह खबर आई थी तब करीना को काफी ट्रोल किया गया था। अब करीना ने इस पर कहा, मुझे कभी फिल्म ऑफर नहीं हुई थी तो पता नहीं मुझे इस कैटेगरी में क्यों रखा। मैं कभी इस फिल्म की च्वाइस थी ही नहीं। ये सारी बनाई गई खबरें थीं। मुझे नहीं पता कि ये बात कहां से आई। अब आज के समय में 100 प्लेटफॉर्म हैं और कई बातें कही जाती हैं तो हम अपना काम करेंगे या ट्वीट डाल अपनी बात क्लीयर करेंगे? वैसे बता दें कि करीना ने इससे पहले एक इंटरव्यू में मेल एक्टर्स और फीमेल एक्ट्रेसेस की फीस को लेकर कहा था कि इस बारे में अब सब बात कर रहे हैं। मैंने तो क्लीयर कर दिया है कि मुझे क्या चाहिए और मुझे लगता है कि वो रिस्पेक्ट देनी चाहिए। यहां बात डिमांडिंग की नहीं है, यहां बात महिला को लेकर रिस्पेक्ट की है। अब मुझे लगता है कि इस पर बदलाव हो रहे हैं। करीना अब फिल्म लाल सिंह चड्ढा में नजर आने वाली हैं जिसमें उनके साथ आमिर खान, नागा चैतन्य और मोना सिंह अहम किरदार में हैं। इस फिल्म के ट्रेलर और गानों को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया पर फिल्म को बायकॉट करने की मांग की जा रही है।

प्रियंका के साथ धमाल मचाने आ रहे हैं रितेश पांडे

भोजपुरी इंडस्ट्री में अब पहले से काफी बदलाव आ रहे हैं। मेकर्स भी अब इस इंडस्ट्री को हर भाषा के दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं। अब हाल ही में भोजपुरी की पहली वेब सीरी प्रपंच के रिलीज के साथ भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रखने वाला पहला ओटीटी चौपाल अब एक और ओरिजिनल वेब सीरीज लंका में डंका लेकर तैयार है। इस वेब सीरीज में रितेश पांडे और प्रियंका रेवड़ी एक साथ नजर आएंगे। यह वेब सीरीज 7 अगस्त को शाम 6 बजे चौपाल ओटीटी पर रिलीज की जाएगी। मौके पर इंडियन मोशन पिक्चर्स प्रोड्यूसर एसोसिएशन के अध्यक्ष अभय सिन्हा ने बताया कि जितना अद्भुत इस वेब सीरी का नाम है, उतनी ही इसकी कहानी है जिसमें प्यार के साथ जग भलाई का उद्देश्य भी है। इस वेब सीरीज में रितेश, शिक्षा माफिया के विरुद्ध लड़ते नजर आएंगे। इसके साथ प्रियंका के लिए उनका दीवानापन और उसकी खुशी के लिए स्कूल बनवाना उनके प्रेम की गहराई को सामने लाएगा। उन्होंने कहा कि हमें चौपाल के प्रोडक्शन पार्टनर होने पर बेहद गर्व है। हमारा उद्देश्य है कि हम भोजपुरी में विश्वस्तरीय कंटेंट बनाएं और चौपाल के माध्यम से उसे केवल देश ही नहीं बल्कि दुनिया के हर कोने तक पहुंचाएं। वहीं, ओटीटी चौपाल के डायरेक्टर संदीप बंसल ने कहा कि इससे पहले रिलीज की गई वेब सीरीज प्रपंच जिसमें पवन सिंह मुख्य भूमिका निभाते हुए साबिहा अली खान (शहनूर), जफर वारिस खान, शाहीबा जफरी, बृज भूषण शुक्ला और विनीत विशाल के साथ नजर आए थे।

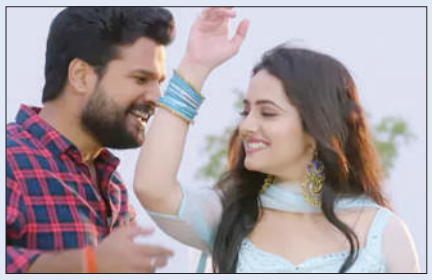

भोजपुरी | मसाला

अब मोबाइल ऐप्स के जरिए मच्छर भगा रहे लोग, कैसे और कितना काम करते हैं ये ऐप्स

अभी बारिश का मौसम चल रहा है। ऐसे में सभी जगह मच्छरों का आतंक है। घर में मच्छर हो जाने से सभी लोग परेशान हो जाते हैं। कई लोग तो मच्छरों के आतंक की वजह नींद भी पूरी और सही तरीके से नहीं ले पाते हैं। ऐसे में मच्छरों से निजात पाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। कुछ लोग मॉस्क्यूटो क्वॉइल जलाते हैं तो कुछ लोग लिक्विड क्वॉइल जलाते हैं। हालांकि इनसे शरीर को नुकसान होता है। अब टेक्नोलॉजी के इस दौर में मच्छरों को भगाने के लिए लोग एक नया तरीका अपना रहे हैं। अब लोग मोबाइल के जरिए मच्छरों को भगा रहे हैं।

बता दें कि टेक्नोलॉजी काफी तेजी से बढ़ रही है। गूगल प्ले स्ओर और एप्पल ऐप स्ओर पर हर काम को आसान बनाने के लिए ऐप्स मौजूद हैं। अब मच्छरों को भगाने के लिए भी ऐप्स उपलब्ध हैं। लोग धड़ल्ले से इन ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐप्स के डेवलपर्स का दावा है कि ये ऐप के ऑन होने पर मच्छर आपके आसपास नहीं रहेंगे। बताया जा रहा है कि ये ऐप्स लो फ्रीक्वेंसी वाले साउंड्स प्रोड्यूस करते हैं। इससे मच्छर भाग जाते हैं। यूजर ऐप में लो फ्रीक्वेंसी अल्ट्रासोनिक साउंड को सेलेक्ट कर सकते हैं। इन साउंड की फ्रीक्वेंसी काफी ज्यादा कम होती है। इस वजह से किसी व्यक्ति को इसकी आवाज सुनाई नहीं देती है। हालांकि इन ऐप्स को यूज करने वाले कुछ लोगों ने इनके बारे में पॉजिटिव फीडबैक नहीं दिया। एक यूजर का कहना है कि उसने ऐसी एक ऐप का इस्तेमाल किया लेकिन उसके लिए यह काम नहीं की। वहीं एक यूजर ने ऐप की आवाज को लेकर भी शिकायत की। बताया जा रहा है कि मच्छर भगाने वाले ये ऐप्स काफी ज्यादा एड्स के साथ आते हैं। आजतक की रिपोर्ट के अनुसार, ऐप को ऑन करने पर यूजर को थोड़ी-थोड़ी देर में एड्स देखने को मिलेंगे, इससे उनको काफी परेशान हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, इन ऐप्स का मुख्य मकसद एड्स दिखाने का ही होता है, जिससे डेवलपर को कमाई होती है। आजतक की रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे ऐप्स ऑथेंटिक नहीं है। इसका फायदा उठाकर स्कैमर्स मैलवेयर भी आपके फोन में इंस्टॉल करवा सकते हैं।

अजब-गजब

यहां से सुनाई देती हैं रहस्यमयी आवाजें

दुनिया का सबसे अद्भुत रेडियो स्टेशन

पूरे ब्रह्मांड में पृथ्वी के अलावा किसी अन्य ग्रह पर जीवन है या नहीं इसकी सदियों से वैज्ञानिक खोज कर रहे हैं लेकिन अभी तक ऐसा पुख्ता सबूत नहीं मिले हैं जिनसे कहा जाए कि हमारे अलावा भी किसी दूसरे ग्रह पर किसी जीव का अस्तित्व है लेकिन कई बार ऐसी घटनाएं हो जाती है जिससे ऐसा लगता है कि इंसानों के अलावा भी किसी दूसरे ग्रह पर जीवन है। आज हम आपको दुनिया के एक ऐसे ही अद्भुत रेडियो स्टेशन के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि वहां से रहस्यमयी आवाजें सुनाई देती है।

ये रेडियो स्टेशन रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर से कुछ दूर पर सुनसान इलाके में स्थित है। इस रेडियो स्टेशन से नियमित अंतराल पर कुछ प्रसारण होता है, इसके बाद जैसे किसी रेडियो स्टेशन से प्रसारण बंद हो जाता है, ठीक उसी तरह इस स्टेशन से भी भनभनाहट सुनाई देने लगती है। इस रेडियो स्टेशन का ऐसा अजीबोगरीब प्रसारण पिछले कई दशकों से जारी है। कुछ आवाजें और फिर वही भनभनाहट। सबसे दिलचस्प बात ये है कि दुनियाभर में ये रेडियो स्टेशन सुना जाता है, पर किसी को नहीं मालूम कि इस रेडियो स्टेशन को कौन चला रहा है। किसी भी रिकॉर्ड में इस रेडियो स्टेशन का नाम दर्ज नहीं है।

यही नहीं सरकार भी इस बारे में कुछ भी जानने से इनकार करती है। अब ऐसे रहस्यमयी स्टेशन का नाम भी अजीबोगरीब होना तय है। तो, इस रेडियो स्टेशन का नाम है MDZhBÐ पश्चिमी देशों में इसे 'द बजर' के नाम से जाना जाता है।

पिछले करीब 35 साल से ये रेडियो स्टेशन विचित्र आवाजें दुनिया को सुना रहा है, लेकिन कोई अब तक इसका मकसद डिकोड नहीं कर पाया है। इस रेडियो स्टेशन पर दुनिया की नजर पड़ने की वजह एक अजीब सा रूटीन है। हफ्ते में एक या दो बार कोई मर्द या औरत इस स्टेशन पर कुछ शब्द बोलते हैं, जैसे कि डिंगी या किसानी के विशेषज्ञ। बस, इसके बाद रेडियो स्टेशन की फ्रीक्वेंसी पर वही भनभनाहट सुनाई देती है। ये रेडियो स्टेशन शॉर्ट वेव पर प्रसारित होता है। इसी वजह से ये दुनियाभर में सुना जाता है। इस रेडियो स्टेशन के अजीब प्रसारण की वजह से ही इसे लेकर तमाम तरह के किस्से दुनिया भर में प्रचलित हो चले हैं। इसी तरह के दो और रेडियो स्टेशन हैं। ऐसे अजीब रेडियो सुनने के शौकीन लोग इन्हें 'द पिप' और 'स्क्वीकी व्हील' के नाम से बुलाते हैं।

लोक सभा चुनाव में 2014 का रिकॉर्ड तोड़ेगी भाजपा : केशव

» प्रदेश में 80 में 75 सीट जीतने का है लक्ष्य

» सपा को वापसी करने का नहीं कोई मौका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भाजपा 2024 के आम चुनावों में उत्तर प्रदेश की 80 लोक सभा सीटों में से 73 जीतने के अपने 2014 के रिकॉर्ड को तोड़ देगी। राज्य में अन्य सभी राजनीतिक दल राजनीतिक गुमनामी की ओर बढ़ रहे हैं। हमारे पास 2024 के लिए 75 सीटों का लक्ष्य है। यादव और जाटव समुदाय और विशेष रूप से पसमांदा मुसलमान भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हैं और उन्होंने बड़ी संख्या में भाजपा को वोट देना शुरू कर दिया है।

उन्होंने कहा कि आजमगढ़ और रामपुर में लोक सभा उपचुनावों में भाजपा के लिए बड़ी जीत, जहां क्रम परिवर्तन हमारे अनुकूल नहीं थे, ने दिखाया कि 2024 के लोक सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिए एक रिकॉर्ड जीत इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि सपा अब 'समाप्तवादी पार्टी' होने की ओर बढ़ रही है। अखिलेश यादव के लिए वापसी करने का कोई मौका नहीं है क्योंकि राजनीति के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर किसी का जन्मसिद्ध अधिकार नहीं है। मौर्य ने यह भी कहा कि राज्य मंत्री दिनेश खटीक को त्याग पत्र नहीं लिखना चाहिए था, जो उन्होंने किया। उन्हें उचित मंच पर अपना मुद्दा उठाना चाहिए था। उन्होंने इस बात को दृढ़ता से खारिज किया कि राज्य का बुलडोजर अभियान मुसलमानों के उद्देश्य से था और कहा कि मुसलमानों ने देखा है कि नरेंद्र मोदी के आठ साल या योगी आदित्यनाथ के 6 साल के शासन में किसी को नुकसान नहीं हुआ है, जब तक कि किसी ने कुछ अवैध नहीं किया।

हर घर तिरंगा अभियान नौटंकी : तेजस्वी यादव

» आरजेडी नेता ने भाजपा और संघ पर साधा निशाना

» देश का पैसा लेकर भागे लोगों का पता नहीं लगा पा रहीं जांच एजेंसियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार विधान सभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार के हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा और संघ पर निशाना साधा है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे और आरजेडी की कमान संभाल रहे तेजस्वी यादव ने हर घर तिरंगा अभियान को नौटंकी बताया है। केंद्र सरकार आजादी का अमृत महोत्सव मना रही है जिसके तहत यह अभियान चल रहा है।

उन्होंने कहा कि भाजपा को लोगों को बताना चाहिए कि उसके मूल संगठन आरएसएस ने कुछ दशक पहले तक नागपुर में अपने मुख्यालय में झंडा नहीं फहराया था। नागपुर में आरएसएस के कार्यालय पर वर्ष 2000 के बाद तिरंगा झंडा फहराना शुरू किया था। तेजस्वी ने भाजपा और केंद्र सरकार के तिरंगा अभियान पर कटाक्ष करते हुए कहा कि तिरंगा हर नागरिक के दिल में रहता है। देश के लोग उनकी इस नौटंकी से प्रभावित कभी नहीं होंगे। उन्होंने केंद्र सरकार की जांच एजेंसियों पर भी बड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि ललित मोदी से सुष्मिता सेन मिल लेती हैं, लेकिन हमारी जांच एजेंसियों देश का पैसा लेकर भागे लोगों का पता नहीं लगा पातीं। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी और पूर्व मिस यूनिवर्स सुष्मिता सेन के रिश्तें पिछले दिनों काफी चर्चा में थे। दोनों की खास तस्वीरें जमकर वायरल हुई थीं। इसी को आधार बनाकर तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों पर तीखा वार किया।

विधायक अब्बास अंसारी की अग्रिम जमानत अर्जी खारिज

» शस्त्र लाइसेंस मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट ने की कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्तार अंसारी के बेटे और विधायक अब्बास अंसारी की जमानत अर्जी खारिज हो गई। 2012 में लखनऊ से जारी शस्त्र का लाइसेंस बगैर सूचना दिए नई दिल्ली के पते पर स्थानांतरित कराने के मामले में अभियुक्त अब्बास अंसारी की अग्रिम जमानत अर्जी एमपी-एमएलए की विशेष सत्र अदालत ने खारिज कर दी है।

विशेष जज हरबंश नारायण ने अपने आदेश में कहा है कि अभियुक्त के खिलाफ सात आपराधिक मामले दर्ज है। इस मामले में गिरफ्तारी वारंट भी जारी है। लिहाजा ऐसी परिस्थिति में अर्जी स्वीकार करने योग्य नहीं है। बीती 14 जुलाई को एमपी-एमएलए की विशेष मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले में अभियुक्त अब्बास अंसारी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया था। मऊ सदर से विधायक निर्वाचित हुए अब्बास अंसारी पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी के पुत्र हैं। 12 अक्टूबर, 2019 को इस मामले की एफआईआर प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार सिंह ने थाना महानगर में दर्ज कराई थी।

भाजपा खत्म करना चाहती है विपक्षी नेताओं की इमेज !

» संसद की कार्यवाही के दौरान ईडी के नोटिस के क्या हैं मायने

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। संसद में कांग्रेस के सांसद मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि जब सदन चल रहा है तब उन्हें ईडी का नोटिस दिया गया है और जवाब देने के लिए वे सदन को छोड़कर जा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या सदन चलने के दौरान सांसदों के विशेषाधिकार की जानकारी ईडी को नहीं है? क्या ईडी ही संविधान हो गया है? हैरानी की बात यह है कि इस पर न तो लोक सभा न राज्य सभा में पीठ की ओर से कोई जवाब दिया गया। सवाल यह है कि संविधान की अवहेलना क्यों की जा रही है?इन्हीं मुद्दों पर वरिष्ठ पत्रकार ऋषि मिश्रा, जुबिली पोस्ट के एडिटर डॉ. उत्कर्ष सिन्हा, प्रो. संदीप यादव, प्रो. रविकांत और अभिषेक कुमार के बीच लंबी परिचर्चा चली।

प्रो. रविकांत ने कहा कि विपक्ष में जो भी सवाल कर रहा है और जिसकी साख है उसको कैसे डिफेम किया जाए, उस पर कैसे लांछन लगाए जाएं, यही चल रहा है। इससे साफ है कि सरकार घबराई हुई है। प्रो. संदीप यादव ने कहा कि ईडी जिसने 5,422 छापे मारे हैं जिसमें उनका कन्विक्शन रेट 0.5 प्रतिशत है और 23 लोगों को सजा हुई है। सीबीआई का कन्विक्शन रेट 65 से 70 प्रतिशत है। दरअसल, ईडी पोलिटिकल थ्रेटनिंग का टूल बन गया है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. उत्कर्ष सिन्हा ने कहा कि भाजपा जिस विचारधारा से पैदा हुई पार्टी है उस आरएसएस की सोच में दलित क्या हैं? उसका मनुस्मृति में विश्वास है और दलित उसके लिए फायदेमंद तब होता है हिंदू होता है, दलित नहीं। वरिष्ठ पत्रकार ऋषि मिश्रा ने कहा कि देश में एक नरैटिव सेट करने का प्रयास किया जा रहा है। भाजपा इसमें सफल भी हुई है। दरअसल, विपक्ष के जितने भी बड़े नेता हैं और जो भाजपा और वर्तमान सरकार को घेर सकते हैं उनकी इमेज को भाजपा खत्म करना चाहती है। ईडी की कार्रवाई समावेशी होनी चाहिए लेकिन सरकार की कार्रवाई विपक्ष के नेता के खिलाफ हो रही है।

महान दल के अध्यक्ष केशव देव ने सुभासपा प्रमुख पर बोला हमला, कहा

राजभर के बड़बोलेपन से हारी सपा

» सियासत में कोई नहीं कर सकता उनसे अच्छी जोकरगिरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। प्रदेश में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी और ओम प्रकाश राजभर की सुभासपा में अब तलाक हो चुका है। इस बीच अखिलेश यादव और ओपी राजभर के तल्ख रिश्तों पर महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य का बड़ा बयान आया है। केशव देव मौर्य ने कहा कि ओम प्रकाश राजभर अखिलेश यादव की आस्तीन के सांप हैं और स्वामी प्रसाद मौर्य और ओम प्रकाश राजभर के बड़बोलेपन की वजह से सपा चुनाव हारी।

उन्होंने आरोप लगाया कि स्वामी प्रसाद मौर्य और ओम प्रकाश राजभर को भाजपा ने खुद समजावादी पार्टी में भेजा है। महान दल के अध्यक्ष केशव देव मौर्य ने कहा कि अगर कोई कॉमेडी शो देखता है, तो वह उसकी जगह ओम प्रकाश राजभर के बयान सुने। अखिलेश यादव को लेकर उन्होंने कहा कि मैंने उन्हें नेता की तरह नहीं बल्कि एक भगवान की तरह माना था। जब से ओपी राजभर सपा गठबंधन में आए थे, तब से मैं खिलाफ था। आजम खान से मिलने के बाद केशव देव मौर्य ने कहा कि राजनीति में संभावना कभी खत्म नहीं होती। रालोद को लेकर केशव देव मौर्य ने कहा कि रालोद का जनाधार पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 10 से 12 जिलों के अलावा कहीं नहीं है। ओपी राजभर पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि राजनीतिक धरातल पर ओम प्रकाश राजभर से बढ़िया जोकरगिरी कोई नहीं कर सकता। ओपी राजभर की पार्टी का प्रत्याशी एक चुनाव बिना गठबंधन के लड़ ले, एक हजार से ज्यादा वोट नहीं ला पाएगा अगर ले आया तो में उसकी गुलामी करूंगा।

कांग्रेस से निकाले गए कुलदीप बिश्नोई भाजपा में शामिल

» सीएम खट्टर की मौजूदगी में थामा पार्टी का दामन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरियाणा के विधायक पद से इस्तीफा देने वाले कुलदीप बिश्नोई ने भाजपा का दामन थाम लिया है। उन्होंने दिल्ली में सीएम मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी में पार्टी ज्वाइन की। बिश्नोई को कांग्रेस से निष्कासित कर दिया गया था। उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा दे दिया था। उनके साथ उनके बेटे भव्य बिश्नोई, मां जसमा देवी व पत्नी रेणुका बिश्नोई ने भी भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कुलदीप बिश्नोई ने विधायक पद से इस्तीफा देने के बाद कहा था कि आदमपुर हलका ने करीब 27 साल वनवास काटा है। अब हलका का वनवास खत्म हो गया है। उन्होंने कहा कि आदमपुर हलका की जनता की मांग पर इस्तीफा दिया।

महंगाई-बेरोजगारी पर कांग्रेस का हल्ला बोल हिरासत में राहुल-प्रियंका

» देशव्यापी प्रदर्शन, संसद में काले कपड़े पहनकर पहुंचे कांग्रेसी सांसद

» सोनिया गांधी भी प्रदर्शन में हुई शामिल

» राहुल बोले, आज हिंदुस्तान में लोकतंत्र नहीं, बस चार लोगों की तानाशाही

» लखनऊ में भी विरोध प्रदर्शन, कई नेता हाउस अरेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी को लेकर आज कांग्रेस ने देश भर में प्रदर्शन किया। कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। संसद से राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकालने की कोशिश के दौरान पुलिस ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी समेत कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी भी प्रदर्शन में शामिल हुईं। वहीं उत्तर प्रदेश के लखनऊ समेत कई जिलों में भी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यहां कई नेताओं को हाउस अरेस्ट किया गया।

राहुल गांधी ने कहा कि हम राष्ट्रपति भवन की तरफ मार्च निकाल रहे थे लेकिन पुलिस ने हमें रोक दिया। कई सांसदों को हिरासत में लिया गया है। उन्हें बुरी तरह से घसीटा और पीटा गया। उन्होंने कहा कि हम महंगाई, बेरोजगारी और समाज को जो बांटा जा रहा है उसका मुद्दा संसद में उठाना चाहते हैं लेकिन हमें बोलने नहीं दिया जाता है। इस देश ने 70 साल में जो बनाया उसको 8 साल में खत्म कर दिया गया। आज हिंदुस्तान में लोकतंत्र नहीं है बल्कि चार लोगों की तानाशाही है। मैं जितना लोगों की आवाज उठाता हूं, जितना सच बोलता हूं उतना ज्यादा मुझ पर हमला किया जाता है। मैं लोकतंत्र के लिए खड़े होने का अपना काम करता रहूंगा।

प्रियंका ने सुरक्षा घेरा तोड़ा, बैठी धरने पर

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सुरक्षा घेरा तोड़कर आगे बढ़ी तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। इस पर वे सड़क पर ही धरने पर बैठ गईं। इस दौरान पुलिस ने उनको हिरासत में ले लिया।

हंगामे के चलते लोक सभा बाधित

महंगाई सहित विभिन्न मुद्दों पर कांग्रेस समेत विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण लोक सभा की कार्यवाही शुरू होने के करीब 25 मिनट बाद आज दोपहर दो बजे तक स्थगित कर दी गई थी। वहीं लोक सभा स्पीकर ओम बिरला ने हंगामा कर रहे सदस्यों से कहा कि उनका यह व्यवहार उचित नहीं है।

झांसी में 16 किलो गांजे के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

» ट्रेन से गांजा लेकर जा रहे थे दिल्ली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन में आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने अंतर्राज्यीय दो गांजा तस्करों को प्लेटफार्म से गिरफ्तार किया है। उनके पास से 16 किलो से अधिक अवैध गांजा बरामद हुआ है। वे ट्रेन से गांजा की सप्लाई देने के लिए दिल्ली जा रहे थे। पुलिस ने इन तस्करों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है।

ट्रेनों से गांजा तस्करी की रोकथाम के लिए झांसी में चेकिंग अभियान के तहत आरपीएफ थाना प्रभारी रविंद्र कुमार कौशिक व जीआरपी पुलिस की टीम वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन पर यात्रियों चेकिंग कर रही थी तभी प्लेटफार्म पर दो संदिग्ध यात्री पुलिस को देखकर जाने लगे।

इस पर पुलिस ने उन्हें रोककर पूछताछ की साथ ही उनकी तलाशी भी ली। तलाशी पर इनके पास से 16 किलो 570 ग्राम अवैध गांजे की खेप मिली। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह उड़ीसा से गांजा लेकर दिल्ली बेचने जा रहे थे। पकड़े गए तस्करों ने अपना नाम प्रशांत खेती व अजीत साहू जिला वालगिर उड़ीसा बताया है। आरपीएफ इंस्पेकर रविन्द्र कुमार कौशिक ने बताया कि ट्रेनों में हो रही गांजे की तस्करी को रोकने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है।

कुंडा विधायक राजा भइया के पिता उदय प्रताप नजरबंद

» मोहर्रम गेट के विरोध में बैठे थे धरने पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रतापगढ़ के कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया के पिता उदय प्रताप सिंह को नजरबंद किया गया है। आज सुबह नित्य क्रिया के लिए वे जैसे ही धरनास्थल से उठकर भदरी कोठी गए उसी दौरान उन्हें प्रशासन ने नजरबंद कर दिया। नजरबंद की नोटिस पुलिस ने तामील कराते हुए गेट पर चस्पा कर दी। मोहर्रम का गेट लगाने के विरोध में राजा उदय प्रताप सिंह विरोध स्वरूप पिछले दिनों धरना दे रहे थे। एसडीएम कुंडा सतीश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि राजा उदय प्रताप सिंह को धारा 144 के तहत भदरी कोठी में नजरबंद किया गया है।

उपराष्ट्रपति पद का चुनाव कल, धनखड़ का होगा अल्वा से मुकाबला

» एनडीए के उम्मीदवार है जगदीप धनखड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

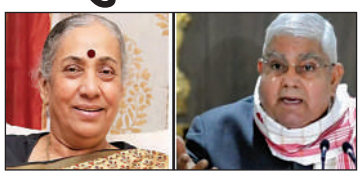

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के लिए कल यानी 6 अगस्त को चुनाव होगा और उसी दिन ही चुनाव के नतीजे आ जाएंगे। मौजूदा उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू का कार्यकाल 11 अगस्त को खत्म हो रहा है। एनडीए ने इस बार पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे जगदीप धनखड़ को उम्मीदवार बनाया है जबकि विपक्ष ने कांग्रेस नेता मार्गरेट अल्वा को उम्मीदवार बनाया है।

उपराष्ट्रपति के चुनाव में सिर्फ लोक सभा और राज्य सभा के सांसद वोट करते हैं। इस चुनाव में मनोनीत सदस्य भी हिस्सा लेते हैं। यानी चुनाव में कुल 788 वोट डाले जा सकते है। इसमें लोक सभा के 543 सांसद और राज्य सभा 243 सदस्य वोट करते हैं। राज्यसभा सदस्यों में 12 मनोनीत सांसद भी हैं। गौरतलब है कि मौजूदा समय में भाजपा के पास लोक सभा सांसदों की सख्या 303 है। वहीं राज्य सभा में 93 सांसद हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव में कुल वोटों की संख्या पर नजर डालें तो भाजपा के पास आंकड़ा 396 का है जबकि जीत के लिए सिर्फ 394 सदस्यों की जरूरत है।

पेज एक का शेष

ठेकेदार जावेद को...

आधार बनाकर दीक्षित को टेंडर से बाहर कर दिया। लखनऊ निविदा कमेटी ने दीक्षित के पक्ष में फैसला करते हुए उन्हें टेंडर में शामिल किया जिसके बाद बरेली जोन के मौजूदा चीफ इंजीनियर एमएम निसार ने अधीनस्थों की मदद से उस टेंडर को निरस्त करा दिया। चौथी बार जब टेंडर पड़ता है तो इसमें दो ठेकेदार दीक्षित और जावेद फिर शामिल होते हैं लेकिन यह टेंडर भी निरस्त कर दिया जाता है। इस दौरान दीक्षित के पंजीयन की समय सीमा समाप्त हो रही होती है और चीफ इंजीनियर इसकी फाइल दबाए रखते हैं। इसके कारण पांचवी बार में जावेद खान को एकल टेंडर नियमों के विरुद्ध जाकर दिया जाता है। यह ठेका चौथे टेंडर पर डाली गयी धनराशि से करीब 45 लाख अधिक है।

लोकायुक्त की जांच में फंसे कई अफसर

मैसर्स सतीश चंद्र दीक्षित को टेंडरों से बाहर रखने के लिए जो भी चीफ इंजीनियर की कुर्सी पर आया, सबने खेल किया। निविदा समिति लखनऊ ने 20 मार्च, 2021 को मीटिंग करके मोहम्मद जावेद खान की फर्जी शिकायत को खारिज करके टेंडरों की वित्तीय बिट खोलने को अनुमति दे दी। तीनों टेंडर प्रहरी पोर्टल पर पास हो गए तो मोहम्मद जावेद खान से फिर फर्जी शिकायत कराई गई कि दीक्षित ने निरस्त अनुभव प्रमाण पत्र लगाकर टेंडर में शामिल हो गए हैं। तत्कालीन चीफ इंजीनियर डीके मिश्रा ने दबाव बनाकर 25 फरवरी 2021 को टेंडर निरस्त करने की संस्तुति की लेकिन लखनऊ निविदा कमेटी ने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद सतीश दीक्षित को डिबार करने का नोटिस दिया गया। 30 अप्रैल 2021 को डीके मिश्रा रिटायर हो जाते हैं। इसके बाद चीफ इंजीनियर देवेश कुमार तिवारी आते हैं। वे दीक्षित को तीन महीने के लिए डिबार कर देते हैं। जब चौथी बार टेंडर पड़ता है तो मुख्य अभियंता एम एम निसार ने दीक्षित के पंजीकरण के नवीनीकरण की फाइल को दबाए रखा और जावेद को टेंडर हथियाने का मौका दिया। लोकायुक्त की जांच में यह साफ हुआ है कि करीब 17 बिंदुओं पर शिकायत की गई थी, जिसमें 15 पर जांच हो चुकी है। उसमें सात अफसर पूर्व चीफ इंजीनियर देवेंद्र कुमार मिश्रा, देवेश कुमार तिवारी, मौजूदा चीफ इंजीनियर एम एम निसार, अधिशासी अभियंता पीलीभीत अनिल राणा, अधीक्षण अभियंता बरेली हर स्वरूप सिंह, अधिशासी अभियंता बदायूं अमर सिंह, अधिशासी अभियंता बदायूं हेमंत सिंह फंसते दिख रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।